INNOVARE JOURNAL OF EDUCATION

Vol 4, Issue 1 , 2016 ISSN:2347-5528

A study of attitude of parents of govt. secondary level of students towards tuition.

Chandraprabha Sharma

*** सहायक प्राध्यापक, मंदसौर इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, मंदसौर (म.प्र.)**

Emil-id:chandraprabhasharma01@gmail.com

Received:20 December 2015, Revised and Accepted:28 December 2015

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में ट्यूशन के प्रति विद्यार्थियों के अभिभावकों की अभिवृत्ति का अध्ययन मंदसौर शहर के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के अभिभावकों के संदर्भ में किया गया है। शोध अध्ययन हेतु मंदसौर शहर के 60 विद्यार्थियों के अभिभावकों का चयन स्तरीक याट्टच्छिक प्रतिचयन विधि के द्वारा न्यादर्श के रूप में किया गया। अध्ययन में स्वनिर्मित प्रश्नावली से विश्लेषण किया गया। प्रश्नावली में कुल 20 प्रश्नों का समावेश किया गया, जिनके उत्तर सहमत/असहमत/अनिश्चित में देना थे। प्रश्नावली में विद्यालय परिस्थिति, अभिभावकों के स्वयं की परिस्थिति व विद्यार्थियों की शैक्षिक कमजोरी एवं उच्च महत्वाकांक्षा के लिये आदि से संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया। विश्लेषण के आधार पर विद्यार्थियों के अभिभावकों की ट्यूशन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पाई गई।

मुख्य बिन्दू– शासकीय विद्यालय, अभिभावक, ट्यूशन, अभिवृत्ति।

प्रस्तावना

शिक्षा एक प्रकिया है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त निरन्तर चलती रहती है। अतः मनुष्य इस गतिशील प्रकिया के माध्यम से कुछ–न–कुछ सीखता रहता है। इससे व्यक्ति अपने जीवन में विकास की चरम सीमा तक पहुचने की कोशिश करता है। सर्वप्रथम बालक की शिक्षा उसके परिवार से शुरू हो जाती है। माता ही उसकी परम गुरू होती है। इसके बाद वह विद्यालयी शिक्षा ग्रहण करने के लिये जाता है, जहॉ वह शिक्षक के सम्पर्क में आकर शिक्षा ग्रहण करता है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के ऊपर विद्यालयीन शिक्षा का अत्यधिक भार है। अभिभावक यह चाहते हैं कि उनका ही बालक कक्षा में प्रथम स्थान पर रहें। कोई भी अभिभावक यह नहीं चाहते हैं कि उनका बालक या बालिका अंतिम या प्रथम से नीचे किसी भी स्थान पर रहें। प्रत्येक व्यक्ति या अभिभावक यही चर्चा करते रहते हैं कि उनका बालक किस प्रकार अच्छे से अच्छे प्राप्तांक हासिल कर सकता है, बजाय इसके कि वह जीवन मे क्या सीख रहा है ? और उसका कक्षा में प्रथम स्थान बनाये रखने के लिये वे उसकी पढाई कर लाखों रूपये स्कूल फीस के अतिरिक्त भी खर्च करने को तत्पर रहते हैं– जैसे ट्यूशन पर, अतिरिक्त कक्षाओं पर। अभिभावक अपने बच्चों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं, जिससे उनका पूरा ध्यान पढाई पर केन्द्रित होकर कक्षा में प्रथम स्थान पर रहें, लेकिन स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक यह नही समझते कि ये ट्यूशन उनके लिए अतिरिक्त भार स्वरूप हो जाती है।

विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का अध्ययन किया गया।

प्रविधि

प्रस्तावित शोधकार्य हेतु निम्नलिखित सांख्यिकी प्रविधि का उपयोग किया गया।

प्रतिशत

प्रस्तावित शोधकार्य से संबंधित समस्या के प्रति विद्यार्थियों के अभिभावकों की अभिवृत्ति को ज्ञात करने के लिये प्रश्नावली के विभिन्न प्रश्नों के उत्तरों का प्रतिशत ज्ञात किया गया।

वैधता

शोध अध्ययन में समस्या से संबंधित तथ्यों व सूचनाओं को एकत्रित करने हेतु उपकरणों का निर्माण शोधार्थी द्वारा विशेषज्ञों की राय से किया गया है, यह विषय–वस्तु के आधार पर वैध है।

न्यादर्श

शिक्षा के क्षेत्र में शोध अध्ययनों की कमी को देखते हुये प्रस्तुत शोध में मध्य प्रदेश की मन्दसौर जिले को चुना गया है। इस हेतु मन्दसौर जिले के पॉच सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया है।

शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिभावको की संख्या

अभिभावकों की संख्या		कुल
पुरूष	महिला	
30 (5×6)	30 (5×6)	60

प्रकिया

प्रस्तुत शोध में स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण विद्यार्थियों के अभिभावकों से जानकारी प्राप्त करने हेतु किया गया। प्रश्नावली में कुल 20 प्रश्नों का समावेश किया गया। जिनके उत्तर सहमत/असहमत/अनिश्चित में देना थे। प्रश्नावली में विद्यालय परिस्थिति, अभिभावकों की स्वयं की परिस्थिति विद्यार्थियों की शैक्षिक कमजोरी एवं उच्च महत्वाकांक्षा आदि से संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया है। शोधार्थी द्वारा विद्यालय में जाकर प्राचार्य की अनुमति से विद्यार्थियों के अभिभावकों से शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन में सोदार्शपूर्ण वातारण में प्रश्नावली भरवायी गयी एवं विद्यार्थियों के अभिभावकों को आश्वस्त किया गया कि आपकी जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जायेगी।

सारणी कमांक –1
ट्यूशन के प्रति सरकारी विद्यालय के अभिभावकों (पुरूष/महिला) की अभिवृत्ति का अध्ययन
विद्यालयी परिस्थिति

क्र.	कथन	पुरूष अभिभावक N=30						महिला अभिभावक N=30					
		सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रति शत	सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रति शत
1	ट्यूशन करवाने से वह शिक्षक प्रायोगिक परीक्षा में अच्छे अंक दिलवा देता है।	27	30	51	56.6	12	13.3	27	30	33	36.6	30	33.3
2	ट्यूशन करवाने से वह शिक्षक विद्यालय में छात्र का अतिरिक्त ध्यान रखता है।	57	63.3	30	33.3	03	3.3	36	40	42	46.6	12	13.3
3	अभिभावक ट्यूशन शिक्षक के चुनाव में विद्यालय के अध्यापक का होना ही पसंद करते है। इसलिये कि संत्रात अधिक मिल सकें।	18	20	51	56.6	21	23.3	21	233	57	63.3	12	13.3
4	अध्यापकों द्वारा विद्यालय में सही तकनीक से न पढाये जाने के कारण अभिभावक ट्यूशन करवाते हैं।	72	80	15	16.6	03	3.3	63	70	21	23.3	06	6.6
5	अध्यापक द्वारा कक्षा में विद्यार्थी पर ध्यान न दिये जाने के कारण अभिभावक ट्यूशन करवाते है।	63	70	27	30	00	00	60	66.6	21	23.3	09	10
6	शिक्षक से अच्छे सबंध बनाये रखने के लिये ट्यूशन आवश्यक है।	12	13.3	54	60	24	26.6	09	10	72	80	09	10

सारणी 1 अनुसार 56.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 36.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि ट्यूशन करवाने से वह शिक्षक प्रायोगिक परीक्षा में अच्छे अंक दिलवा देता है। 63.3 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 40 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि ट्यूशन करवाने से वह शिक्षक विद्यालय में छात्र का अतिरिक्त ध्यान रखता है। 56.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 63.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि अभिभावक ट्यूशन शिक्षक के चुनाव में विद्यालय के अध्यापक का होना ही पसंद करते है। इसलिये कि संत्रात अधिक मिल सकें। 80 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 70 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि अध्यापकों द्वारा विद्यालय में सही तकनीक से न पढाये जाने के कारण अभिभावक ट्यूशन करवाते हैं। 70 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 66.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि अध्यापक द्वारा कक्षा में विद्यार्थी पर ध्यान न दिये जाने के कारण अभिभावक ट्यूशन करवाते है। 60 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 80 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि शिक्षक से अच्छे सबंध बनाये रखने के लिये ट्यूशन आवश्यक है।

सारणी कमांक –2
अभिभावकों की स्वयं की इच्छा

क्र.	कथन	पुरूष अभिभावक N=30						महिला अभिभावक N=30					
		सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनिश्चत	प्रति शत	सह मत	प्रति शत	असह मत	प्रति शत	अनि श्चित	प्रतिशात
1	अभिभावकों की आर्थिक स्थिति अच्छी होने के कारण ट्यूशन करवाते हैं।	03	3.3	66	73.3	21	23.3	09	10	66	73.3	15	16.6
2	अभिभावक अन्य अभिभावकों के कहने पर बच्चों को ट्यूशन करवाते हैं।	09	10	69	76.6	12	13.3	09	10	63	70	18	20
3	अभिभावक बच्चों के दबाव के कारण ट्यूशन करवाते हैं।	24	26.6	60	66.6	06	6.6	06	6.6	69	76.6	15	16.6
4	बच्चों के नये पाठ्यकम अभिभावकों की समझ से परे होने के कारण वे उचित मार्गदर्शन नही दे पाते हैं और ट्यूशन करवाते हैं।	60	66.6	21	23.3	09	10	69	76.6	12	13.3	09	10
5	अभिभावकों के पास बच्चों पर ध्यान देने के लिये समय न	51	56.6	33	36.6	06	6.6	60	66.6	21	23.3	09	10

	होने के कारण ट्यूशन करवाते हैं।												
6	अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिये ट्यूशन करवाते हैं।	09	10	69	76.6	12	13.3	15	16.6	66	73.3	09	10
7	समाज के लोगों को अपने बच्चों की उपलब्धि की शान बताने हेतु ट्यूशन करवाते हैं।	33	36.6	51	56.6	06	6.6	18	20	60	66.6	12	13.3

सारणी 2 अनुसार 73.3 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 73.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि अभिभावकों की आर्थिक स्थिति अच्छी होने के कारण ट्यूशन करवाते हैं। 76.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 70 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि अभिभावक अन्य अभिभावकों के कहने पर बच्चों को ट्यूशन करवाते हैं। 66.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 76.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि अभिभावक बच्चों के दबाव के कारण ट्यूशन करवाते हैं। 66.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 76.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि बच्चों के नये पाठ्यक्रम अभिभावकों की समझ से परे होने के कारण वे उचित मार्गदर्शन नही दे पाते हैं और ट्यूशन करवाते हैं। 56.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 66.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि अभिभावकों के पास बच्चों पर ध्यान देने के लिये समय न होने के कारण ट्यूशन करवाते हैं। 76.6 6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 73.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिये ट्यूशन करवाते हैं। 56.6 प्रशित पुरूष अभिभावक और 66.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर असहमति व्यक्त की है, कि समाज के लोगों को अपने बच्चों की उपलब्धि की शान बताने हेतु ट्यूशन करवाते हैं।

सारणी क्रमांक –3
विद्यार्थियों के प्रति शैक्षिक कमजोरी एवं उच्च महत्वाकांक्षा

क्र.	कथन	पुरूष अभिभावक N=30						महिला अभिभावक N=30					
		सहमत	प्रतिशत	असहमत	प्रतिशत	अनिश्चित	प्रतिशत	सहमत	प्रतिशत	असहमत	प्रतिशत	अनिश्चित	प्रतिशात
1	समय से पूर्व पाठ्यक्रम पूर्ति हेतु ट्यूशन आवश्यक है।	51	56.6	39	43.3	00	00	51	56.6	30	33.3	09	10
2	रोजगार के अवसर कम होने या प्रतिस्पर्धा बढ जाने के कारण ट्यूशन आवश्यक है।	57	63.3	21	23.3	12	13.3	42	46.6	30	33.3	18	20
3	बच्चों को जो विषय कठिन लगता है, उस विषय में ट्यूशन आवश्यक है।	87	96.6	00	00	03	3.3	84	93.3	06	6.6	00	00
4	बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा में बैठाने हेतु ट्यूशन आवश्यक है।	57	63.3	27	30	06	6.6	57	63.3	24	26.6	09	10
5	प्रतिद्वंद्वी से अधिक अंक प्राप्त करने हेतु ट्यूशन आवश्यक है।	48	53.3	39	43.3	03	3.3	39	43.3	45	50	06	6.6
6	बच्चों को किसी अच्छी संस्थान में दाखिला दिलवाने कहेतु प्रतिद्वंद्वी से अधिक अंक प्राप्त करने हेतु ट्यूशन आवश्यक है।	48	53.3	36	40	06	6.6	51	56.6	30	33.3	09	10
7	कक्षा 11 में बच्चों को इच्छित विषय दिलवानें हेतु प्रतिद्वंद्वी से अधिक अंक प्राप्त करने हेतु ट्यूशन आवश्यक है।	39	43.3	48	3.3	03	3.3	48	53.3	27	30	15	16.6

सारणी 3 अनुसार 56.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 56.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि समय से पूर्व पाठ्यक्रम पूर्ति हेतु ट्यूशन आवश्यक है। 63.3 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 46.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि रोजगार के अवसर कम होने या प्रतिस्पर्धा बढ जाने के कारण ट्यूशन आवश्यक है। 96.6 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 93.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि बच्चों को जो विषय कठिन लगता है, उस विषय में ट्यूशन आवश्यक है। 63.3 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 66.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा में बैठाने हेतु ट्यूशन आवश्यक है। 53.3 प्रशित पुरूष अभिभावक और 43.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि प्रतिद्वंद्वी से अधिक अंक प्राप्त करने हेतु ट्यूशन आवश्यक है। 53.3 प्रतिशत पुरूष अभिभावक और 56.6 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि बच्चों को किसी अच्छी संस्थान में दाखिला दिलवाने हेतु ट्यूशन आवश्यक है। 53.3 प्रशित पुरूष अभिभावक और 53.3 प्रतिशत महिला अभिभावको ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है, कि कक्षा 11 में बच्चों को इच्छित विषय दिलवानें हेतु प्रतिद्वंद्वी से अधिक अंक प्राप्त करने हेतु ट्यूशन आवश्यक है।

सुझाव

1. अभिभावकों को चाहिये कि वे ट्यूशन अध्यापको से अनावश्यक पक्षपातपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा न करें।
2. अभिभावक समझें कि वे ट्यूशन बच्चें की शैक्षिक कमजोरी दूर करने हेतु करवा रहे हैं। उसे गलत तरीके से उत्तीर्ण करवाने हेतु नहीं।

संदर्भ ग्रन्थ

1. शर्मा एवं चतुर्वेदी, आर.ए. एवं शिखा, शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन तथा परामर्श , संस्करण 2007
2. शर्मा, श्वेता, ''उच्चतर माध्यमिक स्तर पर ट्यूशन के प्रति अभिभावकों की अभिवृत्ति का अध्ययन'' अप्रकाशित एम.एड. लघु शोध अध्ययन, एम के कालिया शिक्षा अनुसंधान संस्थान युनिवर्सिटी रोहतक 2015.
3. Matiba, Fortunatha Mathias युनिवर्सिटी ऑफ Dav Es Salaam (तंजानिया) 2009
4. Metha Jooton Kilonzo , नेरोबी विश्वविद्यालय, 2014
5. लावशा मोहम्मद एवं हुसैन वहीद, अतंराष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय, मलेशिया , अक्टूबर 2011 ।
6. गुल नजीर खान और अरशद अली शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पेशावर विश्वविद्यालय, 6 मई 2012 ।
7. लॉरेंस, अरूल, ए.स ''ट्यूशन के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों अभिभावकों एवं अध्यापकों की अभिवृति'' लेम्बर्ड एकेडमी पब्लिशिंग 2012